राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 13 | मुंबई : बुधवार 28 जनवरी 2026 से 03 फरवरी 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दिल्ली : यूजीसी नियमों का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा पर जताई गई आपत्ति...

दिल्ली : हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जारी किए गए नियमों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन नियमों में जाति आधारित भेदभाव की एकतरफा परिभाषा अपनाई गई है, और कुछ श्रेणियों को संस्थागत सुरक्षा से बाहर कर दिया गया है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि यूजीसी के ''उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम, 2026'' के नियम 3(सी) को ''गैर-समावेशी'' बताया गया है, जो केवल अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के छात्रों और शिक्षकों को ही सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणी के लोगों को इससे बाहर किया गया है। याचिकाकर्ता विनीत जिंदल

ने इन नियमों की आलोचना करते हुए कहा कि जाति आधारित भेदभाव को केवल एससी, एसटी और ओबीसी के खिलाफ परिभाषित करना अनुचित है। इसके कारण, सामान्य श्रेणी के लोग भी जिनका उत्पीड़न जाति के आधार पर हो सकता है, उन्हें कोई सुरक्षा या शिकायत निवारण सुविधा नहीं मिल रही है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि ये नियम संविधान के अनुच्छेद 14 (बराबरी का अधिकार) और अनुच्छेद 15(1) (धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर राज्य द्वारा भेदभाव पर रोक) का उल्लंघन करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से क्या है मांग?

याचिका में सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध किया गया है कि वह नियम 3(सी) को उसके मौजूदा स्वरूप में लागू करने से रोकें और जाति आधारित भेदभाव को जाति-तटस्थ और संविधान अनुरूप तरीके से फिर से परिभाषित किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि जाति के आधार पर भेदभाव को इस तरह से परिभाषित किया जाए कि सभी लोगों को, चाहे उनकी जाति कोई भी हो, सुरक्षा मिले। इसके अलावा, याचिका में केंद्र सरकार और यूजीसी को अंतरिम निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि 'समान अवसर केंद्र' और 'समानता हेल्पलाइन' जैसी सुविधाएं बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए उपलब्ध कराई जा सकें।

मीरा-भाईंदर में अजूबा...

4 लेन से अचानक 2 लेन हो गया फ्लाईओवर!

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बाद MMRDA ने दी सफाई

मीरा रोड : मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने ठाणे जिले के मीरा-भाईंदर फ्लाईओवर के डिजाइन को लेकर चल रहे विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। प्राधिकरण के अनुसार, गोल्डन नेस्ट सर्कल पर ट्रैफिक दबाव कम करने और भविष्य में भयंदर वेस्ट से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए ही इस ढांचे को वर्तमान स्वरूप दिया गया है। मीरा रोड और भाईंदर को जोड़ने वाले एक फ्लाईओवर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि फ्लाईओवर एक शानदार चार-लेन सड़क से शुरू होता है, लेकिन बीच में सड़क अचानक पतली हो जाती है और दूसरे छोर पर सिर्फ दो लेन की रह जाती है। सोशल मीडिया पर इस नवनिर्मित फ्लाईओवर को लेकर जमकर ट्रोलिंग होती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, MMRDA ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि यह कोई 'डिजाइन दोष' नहीं है। प्राधिकरण के मुताबिक, फ्लाईओवर का निर्माण उपलब्ध सड़क स्थान और भविष्य की कनेक्टिविटी आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया है।, वर्तमान में, फ्लाईओवर की दो लेन भयंदर ईस्ट से जुड़ी हैं, जबकि अन्य दो बाहरी लेन को भविष्य में वेस्टर्न रेलवे लाइन के पार भयंदर वेस्ट से जोड़ने की योजना है। यह फ्लाईओवर विशेष रूप से गोल्डन नेस्ट सर्कल पर यातायात को व्यवस्थित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जहां पांच प्रमुख सड़कें आपस में मिलती हैं और वाहनों का भारी दबाव रहता है। यह प्रोजेक्ट मेट्रो के साथ एकीकृत एक 2+2 लेन का फ्लाईओवर है, जिसके दोनों ओर स्लिप रोड दी गई हैं ताकि यातायात सुगमता से चल सके।

पूरी होंगी किसान सभा की स्वीकृत मांगें, सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा वादा...

मोर्चा वापसी पर होगा फैसला

मुंबई : वन अधिकार कानून के क्रियान्वयन, समुद्री जल के स्थानीय उपयोग और पेसा भर्ती जैसी मांगों को लेकर निकाले गए लॉन्ग मार्च के संदर्भ में अखिल भारतीय किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके आधिकारिक निवास 'वर्षा' में मुलाकात की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंत्रियों की एम्पावर्ड कमेटी द्वारा किसान सभा की सभी स्वीकृत मांगों के पूर्ण क्रियान्वयन की गारंटी दी। उन्होंने किसानों की मांगों का सम्मानजनक समाधान निकालने का भरोसा देते हुए मंत्री स्तर पर लगातार फॉलो-अप का भी आश्वासन दिया। इससे पहले किसान सभा के शिष्टमंडल ने मंत्रालय में मंत्रियों की एम्पावर्ड कमेटी के साथ विशेष बैठक की। बैठक में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन, आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके, स्कूली शिक्षा मंत्री दादासाहेब भुसे और वन मंत्री गणेश नाईक, मुख्य सचिव तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आंदोलनकारियों से चर्चा

किसान सभा की ओर से डॉ. अशोक ढवले, पूर्व विधायक जे.पी. गावीत, डॉ. अजीत नवले और विधायक विनोद निकोले सहित वरिष्ठ नेताओं ने करीब दो घंटे तक विस्तृत चर्चा की। किसान सभा ने बताया कि अब वे राज्य नेतृत्व और खर्डी में एकत्र आंदोलनकारियों से चर्चा करेंगे। बुधवार को जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन और नाशिक के जिलाधिकारी आंदोलनकारियों के समक्ष सरकार का पक्ष रखेंगे, जिसके बाद आंदोलन के भविष्य और मोर्चा वापसी पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एम्पावर्ड कमेटी द्वारा स्वीकृत प्रमुख निर्णय

वन अधिकार और भूमि संबंधी मुद्दे:

1. वन अधिकार कानून के तहत दायर सभी दावों की प्रत्येक जिले में पुनः जांच की जाएगी। यह प्रक्रिया अगले तीन महीनों में पूरी होगी।
2. वन भूमि पर खेती करने वाले किसानों का ई-पीक सर्वेक्षण कर उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।
3. देवस्थान की जमीन पर खेती करने वाले किसानों के नाम भूमि स्थानांतरण से संबंधित कानून के मसौदे पर आठ दिनों के भीतर पुनः चर्चा की जाएगी।
4. ठाणे-पालघर जिले की वरकस जमीन को नियमित करने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कामकाजी पत्नी को तलाक देने से इनकार... पिता को बच्चे के लिए 10,000 रुपये देने होंगे

मुंबई : पत्नी की तलाक याचिका के साथ-साथ गुजारा भत्ता की मांग भी खारिज कर दी गई है, यह कहते हुए कि पत्नी बहुत पढ़ी-लिखी है और एक बड़ी IT कंपनी में काम करती है। परिवार को हर महीने 10,000 रुपये देने का आदेश दिया गया है, यह फैसला सुनाते हुए कि पिता को बच्चे के पालन-पोषण में योगदान देना चाहिए। जस्टिस के. वी. ठाकुर ने हाल ही में यह संयुक्त फैसला सुनाया। एडवोकेट योगेंद्र कुमार और एडवोकेट अरुण लोंगाणी पति की ओर से पेश हुए।

मुंबई : भूषण गगरानी 2026 में हो रहे हैं सेवानिवृत्त; उनकी जगह पर आयुक्त की कुर्सी कौन संभालेगा? चर्चा शुरू

मुंबई : देश की सबसे अमीर महानगरपालिका के चुनाव संपन्न होने के बाद अब सिर्फ मेयर का नाम तय होना बाकी रह गया है। 28 से 30 जनवरी के बीच में मेयर की ताजपोशी होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस सब के बीच बीएमसी का नया कमिश्नर कौन बनेगा? इसकी चर्चा शुरू हो गई है। मार्च, 2024 से 1990 बैच के आईएएस भूषण गगरानी ही बीएमसी के सर्वेसर्वा है। वे बतौर निगम कमिश्नर पूरी मुंबई के कामकाज को संभाल रहे हैं लेकिन गगरानी अब मार्च, 2026 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर आयुक्त की कुर्सी कौन संभालेगा? इसका चर्चा शुरू हो गई है।

गगरानी का उत्तराधिकारी कौन?

ब्यूरोक्रेसी के साथ मंत्रालय में इस बात की चर्चा है कि मिलिंद जयंत म्हैस्कर बीएमसी के नए आयुक्त हो सकते हैं। वह 1992 बैच के अधिकारी हैं। म्हैसकर ने केमिकल इंजीनियरिंग में बी टेक किया है। वह मूलरूप से महाराष्ट्र के ही रहने वाले हैं। म्हैसर अभी राज्य सरकार में एडीशनल चीफ सेक्रेटरी (फॉरेस्ट), रेवेन्यू एंड फॉरेस्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मिलिंद म्हैस्कर की पत्नी मनीषा म्हैस्कर भी आईएएस अधिकारी हैं। वे भी 1992 बैच की हैं और महाराष्ट्र सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग की एसीएस हैं। म्हैस्कर नवंबर, 2028 में रिटायर होंगे। अगर उन्हें यह जिम्मेदारी मिलती है तो वह एक लंबा कार्यकाल बीएमसी में पूरा कर पाएंगे।

पहले इकबाल सिंह चहल थे कमिश्नर

भूषण गगरानी से पहले 1989 बैच के आईएएस अधिकारी इकबाल सिंह चहल बीएमसी के कमिश्नर थे। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें एक बड़ी नई जिम्मेदारी सौंपी है। सरकार ने उन्हें मुंबई पुलिस हाउसिंग टाउनशिप प्रोजेक्टर का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस पद के लिए उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। वह 1 फरवरी से कार्यभार ग्रहण करेंगे और अगले पांच साल इस पद पर रहेंगे। महाराष्ट्र के गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं और 31 जनवरी 2026 को इस पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वह वह मई 2020 से मार्च 2024 तक बीएमसी कमिश्नर रहे।

मुंबई : 27,000 से ज्यादा प्यारी बहनों के e-KYC में क्या गलतियाँ पाई गईं?

मुंबई : ई-केवाईसी प्रक्रिया में पूछे गए एक कन्फ्यूजिंग सवाल की वजह से जिले में करीब 27 हजार 544 लोगों को मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना के तहत मानदेय नहीं मिला। इसलिए, अब मानदेय पाने के लिए, प्यारी बहनों को अपने इलाके की आंगनवाड़ी कार्यकताओं को एक लिखित सेल्फ-डिक्लेरेशन देना होगा। इसके बाद, 14 तालुकों के उच्चड और नगर निगम क्षेत्र के तीन शहरी प्रोजेक्ट अधिकारियों के जरिए ऑनलाइन लिस्ट में नाम के अनुसार ई-केवाईसी में सुधार किया जाएगा। इससे उन प्यारी बहनों को राहत मिलेगी जो ई-केवाईसी की वजह से लाभ से वंचित हैं।

मुख्यमंत्री लाडकी बहिण योजना के तहत महिलाओं को 1,500 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है; लेकिन सरकार ने इसके लिए ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया है।

इसके अनुसार, योग्य लाडकी बहिण योजना के लाभार्थियों ने ई-केवाईसी करवाया; लेकिन केवाईसी करते समय, लाभार्थियों ने ऑप्शन चुनते समय गलत ऑप्शन चुन लिया। नतीजतन, योजना के लाभार्थियों का पेमेंट बंद हो गया, और लाडकी बहिण योजना के लाभार्थियों की परेशानी बढ़ गई। इसलिए, सरकार इस पर ध्यान दे रही है। क्या लाभार्थी लाडकी बहिण योजना के मानदंडों के अनुसार योग्य हैं या अयोग्य? इसका वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके लिए, आंगनवाड़ी कार्यकताओं को एक लिखित सेल्फ-डिक्लेरेशन देना होगा। इसके बाद ही, संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी गलत केवाईसी में ऑनलाइन सुधार करेंगे।

मुंबई : अमरावती नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए चुनाव 30 जनवरी को सुबह 11 बजे होगा

मुंबई : अमरावती नगर निगम चुनावों में 25 सीटें जीतकर बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि, सरकार बनाने के लिए जरूरी संख्या न होने के कारण, उसे समान विचारधारा वाली पार्टी के साथ गठबंधन करना होगा। अमरावती के मेयर और पालक मंत्री बीजेपी के चंद्रशेखर बावनकुले नए चुने गए बीजेपी उम्मीदवारों के साथ 'वन-टू-वन' चर्चा करेंगे। ना. बावनकुले अमरावती जिले के दौरे पर हैं और दोपहर 1 बजे नियाज भवन में डीपीसी बैठक के नतीजों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद, वे अमरावती नगर निगम चुनावों के नतीजों के संबंध में स्थानीय बीजेपी नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। इस बीच, विश्वसनीय

जानकारी मिली है कि वे नए चुने गए पार्षदों के साथ 'वन-टू-वन' चर्चा करेंगे और भविष्य की रणनीति पर विचार-मंथन करेंगे। ना. बावनकुले हारे हुए बीजेपी उम्मीदवारों से भी बात करेंगे। ये सभी बातचीत करेंगे। हालांकि ना. बावनकुले आधिकारिक दौरे पर हैं, लेकिन बीजेपी की इन पर्दे के पीछे की गतिविधियों का कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं है। पालक मंत्री दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच अमरावती में रहेंगे।

मेयर पद को लेकर हलचल

अमरावती नगर निगम के 17वें मेयर सामान्य वर्ग से होंगे। इसलिए, सूत्रों ने बताया है कि पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले मेयर पद के लिए योग्य उम्मीदवारों के नामों पर कुछ बीजेपी पदाधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। नतीजतन, मेयर पद के कई दावेदार पालक मंत्री बावनकुले के दौरे पर नजर रखे हुए हैं। मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव 30 जनवरी को होंगे अमरावती नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए चुनाव 30 जनवरी को सुबह 11 बजे होगा। इसके लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई है और जिला कलेक्टर आशीष येरेकर को बैठक का पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय कूरियर के जरिए हो रही ₹2.89 करोड़ की सोने की तस्करी को नाकाम किया

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट इन दिनों तस्करी वेब सीरीज के कारण भी चर्चा में बना हुआ है. इस वेब सीरीज में बताया गया है कि कैसे दूसरे देशों से लोग सोने की तस्करी करते हैं. हालांकि वे पकड़े जाते हैं. ऐसा ही मामला शुक्रवार को सामने आया है. जब मुंबई में राजस्व खुफिया निदेशालय (ऊक्र) ने अंतरराष्ट्रीय कूरियर के जरिए की जा रही सोने की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया. ऊक्र मुंबई जोन की टीम ने 1.815 किलोग्राम सोना जब्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 2.89 करोड़ रुपये बताई जा रही है. इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

सऊदी से भारत पहुंची थी खेप

पुलिस अधिकारियों की माने तो सोने की यह खेप सऊदी अरब के रियाद से मुंबई के इंटरनेशनल कूरियर टर्मिनल पर पहुंची थी. खुफिया सूचना के आधार पर ऊक्र ने इस खेप को जांच के लिए रोका था. प्रारंभिक जांच में कूरियर पार्सल संदिग्ध पाया गया था. इसके बाद अधिकारियों ने पार्सल की तलाशी ली और सोना बरामद किया.

सर्चिंग में क्या-क्या मिला?

DRI टीम को तलाशी के दौरान पार्सल में एक ग्राइंडर मशीन मिली थी, जिस पर अधिकारियों को शक था. हालांकि जब मशीन को खोला गया ओ गियर को तोड़ा गया तो अंदर सोने के 32 टुकड़े मिले. सोने को इस तरह से छुपाया गया था कि किसी को भी पता नहीं चल सकता था. टीम ने सोने को तुरंत अपने कब्जे में ले लिया. इसके साथ ही युवक और उसके साथी पर मामला दर्ज कर लिया है. दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि तस्करी के पूरे नेटवर्क और इसके पीछे शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके. इनमें से एक आरोपी कूरियर खेप लेने के लिए पहुंचा था, जबकि दूसरा आरोपी खेप की क्लीयरेंस के लिए केवाईसी दस्तावेजों की व्यवस्था करने में शामिल था. एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि इससे पहले भी इसी तरह के कूरियर के जरिए सोना या अन्य कीमती धातुएं भारत भेजी गई हैं या नहीं. फिलहाल मामले की जांच जारी है.

पुणे : हापुस आम पुणे में आ गए हैं; बक्से की थोक बाजार में कीमत 15,000 रुपये

पुणे : मार्केट यार्ड में फलों के बाजार में हापुस आम आने शुरू हो गए हैं। फिलहाल, कोंकण के अलग-अलग हिस्सों से हापुस आम की थोड़ी आवक शुरू हुई है। मार्केट यार्ड में व्यापारी सुधीर मनसुख को रत्नागिरी ज़िले के जैतापुर से हापुस आम के चार बक्से मिले। हर बक्से में 3 दर्जन आम थे। हर बक्से की थोक बाजार में कीमत 15,000 रुपये मिली। ये बक्से आम व्यापारी युवराज काची ने खरीदे। हापुस के बक्से के साथ केसर आम का एक बक्सा भी आया। इससे पहले भी कोंकण से हापुस आम के बक्से बाजार में आ चुके हैं।

हालांकि अभी आवक कम है, लेकिन व्यापारियों का अनुमान है कि हापुस आम की आवक 15 से 20 फरवरी के बीच शुरू हो जाएगी। आने वाले दिनों में यह आवक बढ़ेगी। कम आवक के कारण कीमतें ज्यादा हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी के डायरेक्टर गणेश घुले, फल विभाग के प्रमुख बालासाहेब कोंडे, दादासाहेब बंदल, व्यापारी अजय वाखरे, नाना मस्के, शरद कुंजिर, प्रकाश भाडकुंबे, प्रीतम परदेशी, बालाजी राठौड़, हुसैन मनियार, नाना राठौड़, हनुमंत शिवरे आदि मौजूद थे।

मुंबई : शहर में केवल 'मराठी मेयर' ही स्वीकार्य होगा, अन्यथा स्थिति बिगड़ सकती है – मनसे

मुंबई : मुंबई से सटे मीरा-भायंदर महानगरपालिका में सत्ता की बागडोर किसके हाथ में होगी, इसे लेकर घमासान शुरू हो गया है। चुनाव परिणामों के बाद अब 'मराठी अस्मिता' का मुद्दा फ्रंटफुट पर आ गया है। मराठी एकीकरण समिति और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें शहर में केवल 'मराठी मेयर' ही स्वीकार्य होगा, अन्यथा स्थिति बिगड़ सकती है।

अपना खून बहाने को तैयार हूं- देशमुख

मराठी एकीकरण समिति के अध्यक्ष गोवर्धन देशमुख ने इस मांग को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर प्रशासन और सत्ताधारी दल को सीधी चेतावनी दी है और कहा कि अगर मराठी मेयर नहीं बना, तो मीरा-भायंदर महानगरपालिका के प्रवेश द्वार पर मेरा खून बहेगा!

देशमुख ने कहा, 'यदि मीरा-भायंदर में किसी गैरमराठी व्यक्ति को महापौर (मेयर) बनाया गया, तो मैं महानगरपालिका के प्रवेश द्वार पर अपना खून बहाने को तैयार हूं। मैं गोलियां झेल लूंगा, लेकिन मराठी अस्मिता से समझौता नहीं करुंगा। मीरा-भायंदर में संयुक्त महाराष्ट्र की दूसरी लड़ाई जैसा बड़ा आंदोलन होगा।' देशमुख ने इस संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को ज्ञापन भी भेजा है।

मनसे ने क्या कहा?

इस मांग को राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का भी पुरजोर समर्थन मिला है। मनसे के कद्दावर नेता अविनाश जाधव और शहराध्यक्ष

संदीप राणे ने साफ कहा है कि मीरा-भायंदर में मराठी मेयर ही होना चाहिए। गोवर्धन देशमुख के 'खून बहाने' वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मनसे ठाणे जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव ने कहा, 'खून बहेगा, लेकिन वह मराठी मानुस का नहीं होना चाहिए।' इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

दरअसल, इस पूरे विवाद की शुरूआत मीरा-भायंदर महानगरपालिका चुनाव प्रचार के दौरान हुई थी। भाजपा के वरिष्ठ नेता कृपाशंकर सिंह ने मीरा-भायंदर के उत्तर भारतीय मतदाताओं को साधते हुए हाल ही में कहा था कि इस बार मीरा-भायंदर में उत्तर भारतीय मेयर बनाएंगे। हालांकि, विरोध के बाद उन्होंने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दिया था, लेकिन यह मुद्दा मुंबई के बीएमसी चुनाव में भी विपक्ष ने जोरशोर से उठाया था।

कृपाशंकर सिंह के बयान पर तब मनसे ने कहा था कि यह बयान भाजपा की नीति बताता है। भाजपा मराठी भाषियों का वोट सिर्फ सत्ता पाने के लिए मांग रही है, जबकि सत्ता की कमान अन्य राज्यों से आये लोगों के हाथ में देगी। मराठी लोगों को भाजपा के इस षड्यंत्र को समझना चाहिए। कृपाशंकर सिंह पहले कांग्रेस में थे। वह महाराष्ट्र बीजेपी के उपाध्यक्ष के अलावा महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री रह चुके हैं।

बता दें कि 2012 से मीरा-भायंदर महानगरपालिका पर भाजपा का कब्जा है। यहां हिंदी, गुजराती और राजस्थानी भाषी लोगों की आबादी बड़ी संख्या में रहती है। मीरा-भायंदर महानगरपालिका में इस बार भाजपा 44 सीटों, कांग्रेस 5 सीटों, एनसीपी (शरद पवार) 4, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) 3 तो वही शिवसेना (उद्धव ठाकरे) एक पर जीती है।

घाटकोपर इलाके से गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा रैली के दौरान दो गुटों में विवाद

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के घाटकोपर इलाके से सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। घाटकोपर पश्चिम स्थित नित्यानंद नगर में गणतंत्र दिवस के मौके पर तिरंगा रैली के दौरान दो गुटों में विवाद हो गया। घटना दोपहर करीब पौने बारह बजे की है, जब छोटे बच्चे वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए तिरंगा रैली निकाल रहे थे। इसी दौरान मौके पर मौजूद आसिफ नामक एक टेलर ने बच्चों से आगे जाकर नारे लगाने को कहा। इस बात की शिकायत बच्चों ने अपने घरवालों से की। इसके बाद आसिफ और बच्चों के अभिभावकों के बीच कहासुनी हो गई।

बच्चों और उनके परिजनों का आरोप है कि आजीज शेख और उसके साथियों ने वंदे मातरम, भारत माता की जय और तिरंगा रैली का विरोध किया, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। वहीं दूसरे पक्ष से आरिज और उनकी पड़ोसन फातिमा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने कभी देशभक्ति नारों या तिरंगे का विरोध नहीं किया, केवल आवाज को लेकर गलतफहमी हुई, जिसे बेवजह बड़ा रूप दिया गया। उनका आरोप है कि मामले को जबरन हिंदू-मुस्लिम रंग दिया जा रहा है और उन्हें फंसाया जा रहा है।

घटना के बाद पुलिस ने पहले इसे एक ही मोहल्ले का मामला बताते हुए आपसी सुलह की सलाह दी और शिकायत लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भाजपा नेता किरीट सोमैया और भाजपा कार्यकर्ता घाटकोपर पुलिस स्टेशन पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। किरीट सोमैया के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली। शिकायतकर्ता संध्या समरजीत गुहा की शिकायत पर अजीज शेख, अब्दुल्ला शेख, गौस मोहम्मद शेख, रिजवान शेख और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

मुंबई-बेंगलुरु बाईपास पर कार ने ट्रक को टक्कर मारी, एक की मौत!

मुंबई : मुंबई-बेंगलुरु बाईपास पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से कार टकराने से हुए हादसे में कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान भीमा राजेंद्र जाधव (निवासी धायरी) के रूप में हुई है। इस संबंध में, कार चालक शुभम सुनील डुबले (27, निवासी पूर्वा हाइट्स, धायरी) ने अंबेगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली

जानकारी के अनुसार, शुभम और उसका दोस्त भीमा दिवेघाट इलाके में कनिफनाथ मंदिर घूमने गए थे। शनिवार (24 तारीख) को सुबह करीब 3:45 बजे वे बाईपास रोड से लौट रहे थे। अंबेगांव इलाके में बाबाजी पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे एक ट्रक खड़ा था। ट्रक चालक ने पीछे की लाइटें चालू नहीं की थीं। अंधेरा होने के कारण कार चालक शुभम को सड़क पर खड़ा ट्रक नहीं दिखा। जब कार ट्रक से टकराई तो कार चालक शुभम और उसका दोस्त भीमा घायल हो गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल भीमा की मौत हो गई। डुबले ने पुलिस को बताया कि यह हादसा ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुआ। पुलिस सब-इंस्पेक्टर थोरात आगे की जांच कर रहे हैं।

मुंबई : 26 km लंबे रेल कॉरिडोर के लिए मेगा प्लान तैयार, स्टेशन-पटरियों पर खर्च होंगे 2184 करोड़...

मुंबई : मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों के सफर को और अधिक सुगम बनाने के लिए पश्चिमी रेलवे ने कमर कस ली है। कांदिवली से बोरीवली के बीच 5वीं और 6वीं लाइन का काम पूरा करने के बाद अब रेलवे का ध्यान बोरीवली-विरार लाइन पर है। इस 26 किमी लंबे कॉरिडोर के लिए स्टेशनों के स्थानांतरण और नए प्लेटफॉर्म के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

क्यों हो रहा है यह बदलाव?

पहले चरण में पश्चिमी उपनगर के कांदिवली से बोरीवली के बीच पांचवीं और छठी लाइन का काम पूरा किया गया था, जिसके लिए करीब एक महीने का ब्लॉक लिया गया था।

अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अगले चरण में कई स्टेशनों पर बड़े बदलाव किए जाएंगे।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य लंबी दूरी की एक्सप्रेस/मेल ट्रेनों को उपनगरीय लोकल ट्रेनों से अलग करना है। वर्तमान में दोनों एक ही ट्रैक पर चलती हैं, जिससे लोकल ट्रेनें लेट होने से भीड़ की समस्या बढ़ जाती है। साथ ही नई लोकल सेवाएं भी शुरू करने में दिक्कतें आती हैं। लेकिन नई पटरियों के बनने से एक्सप्रेस ट्रेनें उससे चलाई जाएंगी और लोकल ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जा सकेगी।

इन स्टेशनों पर होगा बड़ा बदलाव

परियोजना के तहत कई स्टेशनों के प्लेटफॉर्म को शिफ्ट किया जाएगा ताकि नए ट्रैक के लिए जगह बनाई जा सके। दहिसर स्टेशन के प्लेटफॉर्म को उत्तर की दिशा में शिफ्ट किया जाएगा। वहीं, भायंदर स्टेशन के प्लेटफॉर्म को पश्चिम की तरफ सरकाया जाएगा। विरार स्टेशन के प्लेटफॉर्म को भी दक्षिण की ओर स्थानांतरित करने की योजना है। इसके अलावा मीरा रोड, नायगांव और नालासोपारा में भी नए प्लेटफॉर्म और यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा। इस परियोजना के तहत बोरीवली से विरार के पूरे हिस्से में मौजूदा मुख्य लाइनों के पश्चिमी हिस्से में दो नई रेलवे लाइनों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही तीन बड़े पुल, 16 छोटे पुल, एक अंडरपास और दो अहम रेलवे पुल बनाए जाएंगे। वहीं, वसई खाड़ी पर स्थित महत्वपूर्ण पुल क्रमांक 73 और 74 का विकास किया जा रहा है। पुल 73 के फाउंडेशन का काम पहले ही शुरू हो चुका है। जबकि भायंदर के पास एक पुराने ऐतिहासिक पुल को हटाकर आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए रास्ता साफ किया जा रहा है।

2184 करोड़ खर्च, 2028 में पूरा होगा काम

इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 2,184 करोड़ रुपये है और इसे 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना पूरा होने के बाद बोरीवली से विरार के बीच का सफर तेज होगा और पीक आवर्स के दौरान होने वाली भारी भीड़ से राहत मिलेगी।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

साम्राज्यवाद का प्रतिरोध आवश्यक...

वेनेजुएला में अमेरिकी हमला यही दशार्ता है कि हम महाशक्तियों की घातक प्रतिस्पर्धा और उनके मनमाने हस्तक्षेपों के दौर में जी रहे हैं। ऐसे दौर में जहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों और जंगल के कानूनों में कोई अंतर ही नहीं रह गया है। वेनेजुएला में तख्तापलट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शेखी बघारते हुए कहा, 'हमें इसे फिर से करना होगा, हम फिर से ऐसा कर सकते हैं और कोई हमें रोक नहीं सकता।' यानी जिसकी लाठी उसी की भैंस। ट्रंप का यह औपनिवेशिक दावा कि 'हम वेनेजुएला को चलाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि इसे ठीक से चलाया जाए', स्पष्ट संकेत है कि शक्तिशाली ही शक्तिहीन पर राज करेंगे। ट्रंप ने वेनेजुएला में अवैध रूप से सत्ता परिवर्तन करके वहां के खनिजों को अमेरिकी कंपनियों के एकाधिकार में लाने की खुलेआम घोषणा से सिद्ध कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के जो भी बचे-कुचे बंधन थे, वे भी ध्वस्त होते जा रहे हैं। इससे पहले रूस ने अपने मुकाबले कमजोर पड़ोसी यूक्रेन पर आक्रमण कर उस पर विशेषाधिकारों का दावा किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अनुसार बड़ी शक्तियों को अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्र रखने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और यूक्रेन की सच्ची संप्रभुता तभी संभव है जब वह रूस के प्रति मित्रवत और पराधीन रहे। इनके उलट चीन ने अभी तक ताइवान पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण करने या भारत, वियतनाम, फिलीपींस अथवा जापान पर सीधे हमले का प्रयास नहीं किया है, परंतु कमजोर पड़ोसियों के प्रति उसका भी औपनिवेशिक और दबंग रवैया है जो दिन-प्रतिदिन और बिगड़ता जा रहा है। जब सभी बलशाली देश आक्रामक और लुटेरे तेवरों पर उतर आएं तो बड़ी मछली का छोटी मछली को निगलना सामान्यीकृत होने लगता है।

वैश्विक राजनीति के बारे में कहा जाता है कि वह सिद्धांतों एवं मानदंडों के आधार पर संचालित होती है, लेकिन हालिया उदाहरण कुछ और ही संकेत करते हैं। वेनेजुएला में अमेरिकी हमले के बाद ताइवान को लेकर समय-समय आक्रामकता दिखाने वाले चीन पर भी अंतरराष्ट्रीय कानून वाले तर्क बेमानी हो जाते हैं। लैटिन भाषा में 'टू कुआकवे' जैसी एक संकल्पना है, जिसके अनुसार प्रतिद्वंद्वी के व्यक्तिगत व्यवहार और कार्यों को उनके तर्क के साथ असंगत बताकर उनके तर्क को अमान्य कर दिया जाता है। वेनेजुएला में सशस्त्र हमला कर और उसकी आंतरिक राजनीति को जबरदस्ती बदलकर ट्रंप ने हर संभावित हमलावर को सुविधाजनक बहाना दे दिया है। ट्रंप प्रशासन की नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका पर प्रभुत्व स्थापित करने और एक ऐसे पश्चिमी गोलार्ध का निर्माण करने के लिए उन्नीसवीं सदी के 'मोनरो सिद्धांत' को समकालीन संदर्भ में लागू करेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की सरकारों को अमेरिका के आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार चलना होगा। अगर लैटिन अमेरिका में अमेरिका की धौंस जायज है, तो एशिया में चीन अपने आप को बेताज बादशाह क्यों न मान ले?

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

भिवंडी : सपा ने बड़ा दांव चलकर भाजपा के सारे समीकरण बिगाड़ दिए...

भिवंडी : महाराष्ट्र के भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में समाजवादी पार्टी (सपा) ने बड़ा दांव चलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सारे समीकरण बिगाड़ दिए हैं। भिवंडी-निजामपुर शहर नगर निगम में मेयर पद की कुर्सी को लेकर चल रही खींचतान के बीच सपा विधायक रईस शेख ने कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) के साथ मिलकर 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट' के गठन का ऐलान कर दिया है। इस मास्टरस्ट्रोक के जरिए अखिलेश यादव की पार्टी ने भिवंडी में न केवल अपनी ताकत दिखाई है, बल्कि भाजपा को मेयर पद की रेस से लगभग बाहर कर दिया है।

सपा, कांग्रेस और शरद गुट की तिगड़ी ने पलटी बाजी

भिवंडी पूर्व से सपा विधायक रईस शेख के नेतृत्व में बने इस फ्रंट ने बहुमत के जादुई आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है। 90 सदस्यों वाली नगर निगम में मेयर बनने के लिए 46 पार्षदों की जरूरत है, जबकि इस नए गठबंधन के पास 48 पार्षद है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण भिवंडी-निजामपुर शहर नगर निगम में त्रिशंकु स्थिति बन गई है। इसी बीच सत्ता गठन को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों प्रमुख दलों ने अपनी-अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया।

15 जनवरी को हुए चुनाव में 90 सीटों में से कांग्रेस ने सबसे अधिक 30 सीटें जीती हैं, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) को 12 सीटों पर जीत मिली है। इस तरह इन दोनों के पास कुल 42 सीटें हैं। वहीं भाजपा ने 22 और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 12 सीटें हासिल की हैं। भाजपा-शिवसेना महायुति के पास मिलाकर 34 सीटें हैं। जबकि सपा के 6 पार्षद निर्वाचित हुए और सपा किंगमेकर की भूमिका में आ गई है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी की हरी झंडी के बाद शुरू हुई बातचीत सफल रही और 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट' के गठन से भाजपा गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है। सपा विधायक रईस शेख ने स्पष्ट कहा, 'भिवंडी की जनता ने सेक्युलर ताकतों को जनादेश दिया है। अब इस निगम का अगला मेयर 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट' से ही होगा। भिवंडी के नागरिकों ने हम पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।'

दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा; आधा दर्जन से अधिक लोग घायल... तीन की हालत गंभीर

अलवर : राजस्थान के अलवर जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया. ट्रक और ट्रैवलर की जोरदार टक्कर में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रैफर किया गया है. हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा. जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रैवलर में सवार करीब 16 श्रद्धालु उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन कर वापस दिल्ली लौट रहे थे. ट्रैवलर दिल्ली की ओर जा रही थी. जैसे ही वाहन अलवर जिले के एक्सप्रेसवे क्षेत्र में पहुंचा, तभी आगे चल रहे एक ट्रक चालक ने अचानक लापरवाही बरतते हुए ट्रक को ट्रैवलर के सामने घुमा दिया.

कल्याण में ट्रैफिक नियमों पर सवाल पड़ा भारी, चार युवकों ने पुलिसकर्मी को पीटा

कल्याण : शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी पर कार सवार चार युवकों ने बेरहमी से हमला कर दिया। यह घटना कल्याण पश्चिम के दुगार्डी चौक इलाके में शनिवार देर रात हुई। इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लगा हुआ था और यातायात पुलिसकर्मी विलास भागीत जाम हटवाने का कार्य कर रहे थे।

इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक कार (एमएच 05 सीए 0400) गलत दिशा से आ रही है। जब पुलिसकर्मी ने कार रोककर चालक से गलत दिशा में वाहन चलाने का कारण पूछा, तो कार में सवार युवकों ने पहले बहस शुरू की और फिर अचानक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। आरोपियों ने विलास भागीत की जमकर पिटाई की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद घायल पुलिसकर्मी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

चारों आरोपी फरार, तलाश जारी

घटना के बाद बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी शहाड इलाके के निवासी बताए जा रहे हैं। उनके कथित राजनीतिक संबंधों को लेकर भी चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने आरोपियों के घरों पर छापेमारी की है, लेकिन अब तक सभी आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए दो विशेष पुलिस टीमें गठित की गई हैं और तलाश जारी है।

मालेगांव : पुलिस परेड ग्राउंड के पास नाइट्रोजन गैस सिलेंडर में जोरदार विस्फोट; 5 लोग घायल

मालेगांव : शहर में गणतंत्र दिवस के मौके पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस परेड ग्राउंड के पास नाइट्रोजन गैस सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया। यह हादसा पुलिस परेड ग्राउंड से करीब 259 मीटर की दूरी पर हुआ, जहां एक व्यक्ति गुब्बारों में नाइट्रोजन गैस भरकर बेच रहा था। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 9:15 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जा रही थी। इस कार्यक्रम में जिले के अपर जिला कलेक्टर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, बड़ी संख्या में विद्यार्थी और आम नागरिक मौजूद थे। इसी दौरान परेड ग्राउंड से कुछ दूरी पर गुब्बारे बेचने वाले के पास रखे गैस सिलेंडर में अचानक धमाका हो गया।

विस्फोट इतना तेज था कि वहां खड़े लोग उसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में कुल 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में 2 छोटे बच्चे, 2 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुब्बारे खरीदने के लिए रुके थे, तभी यह दुर्घटना हुई।घायलों की पहचान विनोद थोरात, मोहित जाधव, अतुल शेवाळे, प्रमिला यादव और उज्वला महाजन के रूप में हुई है। सभी घायलों को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए नासिक रेफर किया गया है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके को सुरक्षित किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट गुब्बारे फुलाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे नाइट्रोजन गैस सिलेंडर में हुआ।

मुंबई मेयर पद पर फंसा पेंच ! शिंदे का प्लान इ तैयार... दो नगर निगमों में नहीं खिल पाएगा भाजपा का कमल

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में महानगरपालिका चुनावों के नतीजों के बाद अब मेयर की कुर्सी को लेकर घमासान शुरू हो गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और भाजपा के बीच 'शह-मात' का खेल जारी है। एमएमआर क्षेत्र में मुंबई की एइएम्सि सहित आठ महानगरपालिकाएं हैं।

महाराष्ट्र में महानगरपालिका चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। विशेष रूप से मुंबई में मेयर पद को लेकर भाजपा और शिंदे सेना के बीच जबरदस्त रस्साकशी चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि मुंबई में शिंदे गुट की बात नहीं बनी, तो एकनाथ शिंदे कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका और उल्हासनगर महानगरपालिका में अपना मेयर बनाने की तैयारी में हैं। ठाणे और कल्याण-डोंबिवली को छोड़ दें तो एमएमआर क्षेत्र की ज्यादातर महानगरपालिकाओं में भाजपा ने शिंदे गुट की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में कुल 122 नगरसेवक हैं। इनमें शिंदे गुट के 53 और भाजपा के 50 नगरसेवक

(पार्षद) चुने गए हैं। चुनाव दोनों दलों ने गठबंधन में लड़ा था, लेकिन सीटों का अंतर बेहद कम होने के कारण भाजपा यहां सत्ता में बराबर हिस्सेदारी की मांग कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, शिंदे गुट भाजपा के लिए मेयर पद और अन्य अहम पद छोड़ने के मूड में नहीं है।

यही वजह है कि एकनाथ शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे कल्याण-डोंबिवली में शिवसेना की सत्ता अकेले स्थापित करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसके तहत अन्य दलों के नगरसेवकों से संपर्क साधा जा रहा है। मनसे के पांच नगरसेवकों व कुछ शिवसेना ठाकरे गुट के नगरसेवकों ने शिंदे को समर्थन देने का ऐलान किया है।

122 सीटों वाली कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में बहुमत के लिए 62 सीटों की आवश्यकता है। शिवसेना (53) और मनसे (5) के साथ आने से यह आंकड़ा 58 पर पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि उद्धव गुट (यूबीटी) के कुछ नगरसेवक भी शिंदे गुट के संपर्क में हैं, जिससे बहुमत का आंकड़ा पार होने की उम्मीद है। 15 जनवरी को हुए केडीएमसी चुनाव में शिवसेना 53 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। जबकि भाजपा को 50 सीटें मिली हैं। इसके अलावा शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को 11, मनसे को 5, कांग्रेस को 2 और एनसीपी (एसपी) को एक सीट पर संतोष करना पड़ा।

उल्हासनगर महानगरपालिका में भी हालात कुछ ऐसे ही हैं। यहां भाजपा के 37 जबकि शिंदे गुट के 36 नगरसेवक निर्वाचित हुए हैं। उल्हासनगर में भी शिंदे गुट ने भाजपा को चौंका दिया है। उल्हासनगर नगर निगम चुनाव के नतीजों में भाजपा 37 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े से वह महज 3 कदम दूर रह गई।

मुंबई : 27 जनवरी से पानी की कटौती ! इन इलाकों में नहीं आएगा BMC का पानी

मुंबई : बृहन्मुंबई नगर निगम ने मुलुंड और भांडुप में जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मरम्मत और पाइपलाइन स्थानांतरित करने की योजना बनाई है। इसके कारण मंगलवार 27 जनवरी की सुबह 10 बजे से बुधवार 28 जनवरी की सुबह 10 बजे तक पानी की सप्लाई बंद रहेगी। बीएमसी के अनुसार, मुलुंड (पश्चिम) में 2400 मिमी व्यास वाली वैतरणा मुख्य जलवाहिनी के 12 कनेक्शनों को अब 2750 मिमी व्यास की अपर वैतरणा जलवाहिनी पर शिफ्ट किया जा रहा है। इसके साथ ही भांडुप के खिंडिपाड़ा में जलवाहिनी पर लोहे का ढक्कन लगाने का काम भी पूरा

किया जाएगा। इसी तकनीकी प्रक्रिया के कारण पानी की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोकी जाएगी।

इन इलाकों में नहीं आएगा पानी-

टी वार्ड (मुलुंड पश्चिम)- अमर नगर, पंचशील नगर, हनुमान पाड़ा, मुलुंड वसाहत, स्वप्ननगरी, वीणा नगर, योगी हिल, वैली नगर, घाटीपाड़ा और गुरु गोविंद सिंह मार्ग परिसर। इसके अलावा मुलुंड-गोरेगांव लिंक रोड क्षेत्र, एलबीएस मार्ग, डॉ. आर. पी. मार्ग, पी. के. मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग, नाहुरगांव और आसपास के इलाके भी प्रभावित रहेंगे।

एस वार्ड (भांडुप पश्चिम)- लोअर खिंडिपाड़ा और अपर खिंडिपाड़ा परिसर

ठाणे शहर- किसन नगर (पूर्व और पश्चिम) और भटवाड़ी इलाके में भी पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी।

मुंबई महानगरपालिका ने प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे पानी बंद रहने की अवधि को ध्यान में रखते हुए पहले से जरूरी पानी का भंडारण कर लें। इसके साथ ही मरम्मत कार्य के बाद अगले 24 घंटे तक पानी का उपयोग बेहद संयम से करने की सलाह दी गई है। सप्लाई बहाल होने के बाद शुरूआती कुछ दिनों तक पानी उबालकर और छानकर पीने का भी आग्रह किया गया है। बीएमसी का कहना है कि यह असुविधा अस्थायी है, लेकिन इन कामों से आने वाले समय में मुंबई की जलापूर्ति व्यवस्था और ज्यादा बेहतर बनेगी।

मुंबई : हर्षवर्धन सपकाल ने हरे और भगवा रंगों के पीछे की राजनीतिक चाल की आलोचना की

मुंबई : तिरंगा देश का गौरव, सम्मान और शान है। कई लोगों ने तिरंगे के लिए अपना खून बहाया है, लेकिन अभी कुछ जातिवादी और धार्मिक कट्टरपंथी ताकतें अपने स्वार्थी राजनीति के लिए हरे और भगवा रंग की राजनीति खेलकर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने का काम कर रही हैं।

कांग्रेस ने कार्यकताओं और संविधानवादियों से अपील की है कि वे भारत सहित महाराष्ट्र के हर घर और दिल में तिरंगा पहुंचाने का संकल्प लें। यह अपील कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की है। 77वें गणतंत्र दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय तिलक भवन में प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने उत्साह के साथ झंडा फहराया।

इस मौके पर सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष विलास औताडे, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रफुल्ल गुड्डे पाटिल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, प्रदेश महासचिव जोजो थॉमस, जीशान अहमद, श्रुति म्हात्रे और कांग्रेस सेवा दल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

ठाणे में शिंदे की सक्रियता, मुहिम हुई शुरू

मुंबई : भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर ठाणे ज़िले का मुख्य सरकारी झंडा फहराने का कार्यक्रम ठाणे के साकेत पुलिस ग्राउंड में बड़े जोश के साथ हुआ। इस मुख्य सरकारी झंडा फहराने के प्रोग्राम में, ठाणे ज़िला परिषद एजुकेशन डिपार्टमेंट की नई शैक्षणिक पहल 'मिशन भरारी' को महाराष्ट्र राज्य के उप मुख्यमंत्री और ठाणे ज़िले के पालक मंत्री एकनाथ शिंदे ने औपचारिक तौर पर शुरू किया।बताया जाता है कि मिशन भरारी पहल के तहत, ठाणे ज़िला परिषद स्कूलों के गांव के इलाकों के विद्यार्थियों का आत्म विश्वास बढ़ाना, शिक्षा की गुणवत्सुता सुधारना और साइंस

और आधुनिक तकनीक के बारे में जिज्ञासा पैदा करना है।

इस पहल के तहत, सेंटर, तहसील और जिला स्तर पर क्लास 5, 6, 7 और 8 के स्टूडेंट्स के लिए इंग्लिश, मैथ, साइंस और सोशल साइंस सब्जेक्ट्स में कॉम्पिटिटिव एग्जाम ऑर्गनाइज किए जाएंगे। इन कॉम्पिटिटिव एग्जाम से डिस्ट्रिक्ट लेवल पर चुने गए होनहार स्टूडेंट्स के लिए फरवरी से मार्च 2026 के बीच देश के जाने-माने साइंटिफिक सेंटर्स की एक एजुकेशनल ट्रिप ऑर्गनाइज की जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों को प्रगति की नई उड़ान का मौका मिलेगा।

इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रंजीत यादव, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब रक्से के साथ-साथ कई बड़े लोग, अधिकारी, शिक्षक और स्टाफ मौजूद थे। गणमान्य लोगों ने मिशन भरारी पहल की तारीफ की और विश्वास जताया कि यह पहल ग्रामीण इलाकों के विद्यार्थियों की काबिलियत को नई दिशा देगी।

मुंबई : नितेश राणे ने इम्तियाज जलील पर निशाना साधा, कहा 'हरे सांप अपनी हिस्ट्री भूल गए

मुंबई : नगरपालिका चुनावों में ऐतिहासिक जीत के बाद, मुंब्रा में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की नई चुनी गई कॉर्पोरेटर सहर शेख के बयान का पूर्व सांसद और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज जलील द्वारा समर्थन करने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस बीच, राज्य मंत्री नितेश राणे ने इस बयान की कड़ी शब्दों में आलोचना की है। इतिहास मत भूलो... मीडिया से बात करते हुए नितेश राणे ने बहुत कड़े शब्दों में कहा, 'यह हरा सांप (इम्तियाज जलील) शायद हम अपना इतिहास भूल गए हैं। औरंगजेब और टीपू ने महाराष्ट्र

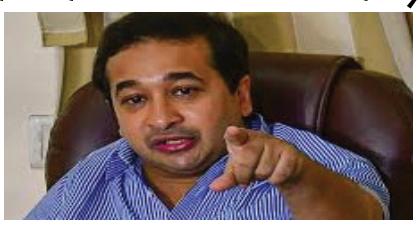

को 'हरा' बनाने का सपना देखा था, लेकिन छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज ने उन्हें इसी धरती में दफनाकर इतिहास रचा है,' राणे ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा।

हिंदू राष्ट्र पर कड़ा रुख

राणे ने आगे कहा, 'वे जितनी जल्दी अपना इतिहास समझेंगे, उतनी ही जल्दी उन्हें पता चलेगा कि यह एक हिंदू राष्ट्र है और यह भगवा ही रहेगा।' औरंगजेब की कब्र का जिक्र करते हुए राणे ने कहा, 'जो भी हिंदू राष्ट्र को हराने का सपना देखेगा, महाराष्ट्र के हिंदू उसे औरंगजेब की कब्र में दफना देंगे।' इस बीच, यह देखना महत्वपूर्ण है कि राणे की प्रतिक्रिया पर जलील अभी क्या कहते हैं।

आखिर विवाद क्या है ?

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन कॉर्पोरेटर सहर शेख ने कुछ दिन पहले एक विवादित बयान दिया था। उस बयान का समर्थन करते हुए, इम्तियाज जलील ने कहा था, 'सहर शेख का बयान पार्टी की आधिकारिक राय है और हम आने वाले दिनों में पूरे महाराष्ट्र को हरा कर देंगे।' नितेश राणे ने इस बयान पर आक्रामक प्रतिक्रिया दी है।

नोएडा में अर्टिगा कार में लगी आग

नोएडा। के सेक्टर-21/25 चौराहे पर एक अर्टिगा कार में आग लग गई। हादसे के समय कार में चालक समेत दो लोग मौजूद थे। धुंआ उठते देख वे कार से भागकर बाहर आए। लोगों ने फौरन फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। उसने आधे घंटे में आग पर काबू पाया।अब विस्तार से पढ़िए पूरा मामला फायर ब्रिगेड ने बताया कि एक अर्टिगा कार होटल के लिए पिक एंड ड्राप का काम करती है। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे के आसपास सेक्टर-21/25 चौराहे के पास कार के बोनट से धुंआ निकलने लगा। ये देखकर चालक और साथ में बैठे लोग कार से उतर गए। इसके बाद अचानक से कार से तेजी से जलने लगी। आग की लपटे काफी तेज थी। इसके चलते कुछ ही देर में कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई। मौके पर दमकल ने कार में लगी आग को बुझाया और सड़क किनारे किया। फिलहाल इस हादसे में कोई झुलसा नहीं है।

युवराज मेहता की श्रद्धाजलिं सभा में पहुंचे सैकड़ों लोग

नोएडा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता के निधन पर उनके परिवार द्वारा शोक सभा का आयोजन किया है। यह शोक सभा यूरेका पार्क सोसाइटी के मल्टी फंक्शन हॉल क्लब हाउस में आयोजित की गई है। इस श्रद्धांजलि सभा में सोसाइटी के सैकड़ों लोगों ने युवराज को श्रद्धांजलि दी। सभा में युवराज के पिता भावुक होकर बोले- युवराज के साथ जैसा हुआ ऐसा किसी और के साथ में न हो। युवराज के पिता राजकुमार मेहता ने कहा- मेरे बेटे ने 2 घंटे तक संघर्ष किया। लेकिन उसे सही समय पर मदद नहीं मिल पाई। मेरा बेटा बहुत बहादुर था। मीडिया ने जिस तरह से समाज के सामने मामले को उठाया। मैं उसके लिए मीडिया का धन्यवाद करना चाहता हूं। वहीं जो भी मेरे बेटे की मौत के जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मैं यूपी सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने इस मामले में एसआईटी गठित की। जिससे दोषियों को सजा मिल सकेगी। 16 जनवरी की रात की घटना नोएडा में साफ्टवेयर इंजीनियर की दलदल में गिरकर मौत हो गई। वह करीब 80 मिनट तक पिता के सामने चिल्लाता रहा। उनसे फोन कर कहा- पापा मुझे बचा लो, मैं मरना नहीं चाहता। इसके बाद कार समेत नाले के पानी से भरे 30 फीट गहरे दलदल में समा गया। इंजीनियर युवराज मेहता अपनी ग्रैंड विटारा कार से गुरुग्राम से नोएडा के सेक्टर-150 टाटा यूरिका पार्क जा रहे थे। रास्ते में एटीएस ले ग्रांड के पास कार नाले की दीवार तोड़ते हुए 30 फीट गहरे पानी से भरे दलदल में गड्ढे में गिर गई। युवराज की कार गड्ढे में गिरते ही दलदल में समाने लगी। युवराज किसी तरह कार से निकलकर उसके ऊपर चढ़ गए। पिता को फोन करके पूरी घटना बताई। डायल-112 पर सूचना देकर पिता मौके पर पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक सर्वेश सिंह भी फोर्स के साथ वहां आए। दमकल कर्मी भी छोटी-बड़ी क्रेन के साथ पहुंचे। युवराज से कुछ ही मीटर दूर पिता और तमाम फोर्स थी, लेकिन कोई भी युवराज को बचा नहीं सका।

नोएडा में पिता ने डाटा, बीटेक छात्र ने सुसाइड किया

नोएडा। में पिता की डांट से आहट बीटेक छात्र ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। हॉस्टल मैनेजमेंट स्टाफ उदित सोनी को अस्पताल लेकर पहुंचा। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही उसके साथी छात्र हॉस्टल के बाहर इकट्ठा हो गए। हंगामा कर दिया। करीब आधे घंटे तक बवाल होता रहा। छात्रों ने सड़क पर खड़ी 5 बसों में तोड़फोड़ कर दी। उसके शीशे तोड़ दिए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। कार्रवाई का आश्वासन देकर छात्रों

को शांत कराया। छात्रों का आरोप है कि मैनेजमेंट के टॉर्चर से परेशान होकर उदित ने जान दे दी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। घटना शुक्रवार रात नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र की है।उदित सोनी (28) झांसी के भोगनीपुर का रहने वाला था। पिता ज्वेलर हैं। एक बड़ी बहन है। उदित गलगोटिया यूनिवर्सिटी में बीटेक सेकेंड ईयर का छात्र था। दोस्तों ने बताया- वह रात में करीब 10 बजे दोस्त कुलदीप और चेतन के साथ पार्टी कर हॉस्टल आया था। उसने शराब पी रखी थी। इसलिए वार्डन ने उसे गेट पर ही रोक लिया। वीडियो कॉल पर उसके पिता विजय सोनी से बात कराई। बताया कि उदित शराब पीकर आया है। पहले भी ऐसा कर चुका है। पिता ने नाम कटवाने की बात कही थी उदित के दोस्तों ने बताया- वार्डन की बात सुनकर पिता ने डांट लगाई। कहा कि वह यूनिवर्सिटी आ रहे हैं। उसका नाम कटवाकर घर वापस ले आएंगे। बाद पिता ने वार्डन से बात की और आश्वासन दिया कि उदित अब ऐसा नहीं करेगा। तब वार्डन ने उदित को जाने दिया। उदित सीधे कमरे में गया। थोड़ी देर तक कमरे में रहा। रात 11 बजे हॉस्टल की चौथी मंजिल पर पहुंचा और छलांग लगा दी।

नोएडा में बारात पर हमला:40 दबंगों ने लाठी-डंडों और फरसों से दौड़ा-दौड़ाकर मारा

ग्रेटर नोएडा। में 40 से ज्यादा दबंगों ने बारात पर हमला कर दिया है। उन्होंने लाठी-डंडों और फरसों से बारातियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घटना में 10 बाराती गंभीर घायल हैं। सभी घायलों का को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कछव में उनका इलाज चल रहा है। सभी घायल एक ही परिवार के हैं। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। घटना दनकौर थाना क्षेत्र के जगनपुर गांव की है। दनकौर थाना क्षेत्र के जगनपुर गांव के जितेंद्र के यहां से रामपुर फतेहपुर गांव में बारात गई थी। बारात में देशराज सिंह अपने पूरे परिवार के साथ गए थे। बारात गांव में पहुंच गई थी, लोग बारातियों का स्वागत कर रहे थे। इस दौरान कई गाड़ियों में सवार होकर हमलावर आए, जिनके हाथ में लाठी-डंडा और फरसा था। उन्होंने हमला करना शुरू कर दिया। जैसे ही हमला हुआ चारों तरफ अफरा-

तफरी का माहौल हो गया और भगदड़ मच गई। बदमाश देशराज (80) उनके बेटे देवेंद्र ,वीरेंद्र, राजेंद्र और भतीजे श्रीनिवास और परिवार के अन्य लोगों को गिराकर पीटने लगे। उनकी गाड़ियों में भी जमकर तोड़फोड़ की। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद घायलों को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत गंभीर है। सभी आईसीयू में भर्ती हैं।

इस बवाल की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस फोर्स रामपुर गांव पहुंच गई। पुलिस ने इस मामले में दो टीमों का गठन कर दिया है और हमलावरों की तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि इन लोगों के बीच पहले ही किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दूसरा पक्ष भी जगनपुर गांव का ही रहने वाला है, कुछ दिन पहले भी इन लोगों के बीच झगड़ा हुआ था। दीपक नागर ने बताया- हमारे गांव से बारात गई थी। बारात में हमारे पिता, बाबा, ताऊ, चाचा सहित पूरा परिवार गया था। बारात में मिलाई के दौरान गाड़ियों से 40 लोग आए और हमला कर दिया। उन लोगों के पास लाठी-डंडे, फरसे थे। इस हमले में हमारे परिवार के 10 लोग घायल है। सभी की हालत गंभीर है। आईसीयू में इलाज चल रहा है। हमला किस वजह से किया गया ये तो पता नहीं है। हमले करने वाले से मौके से भाग गए है। तीन महीने पहले हुआ था झगड़ा एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया- दोनों पक्ष जगनपुर गांव के रहने वाले हैं। पुरानी रंजिश को लेकर बारात में झगड़ा हुआ। मारपीट में कई लोग घायल हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है।

किसान एकता महासंघ गणतंत्र दिवस पर निकालेगा तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा। के रीलखा गांव में किसान एकता महासंघ की बैठक शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के आवास पर हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह ने की, जबकि जिला अध्यक्ष अरविंद सेक्रेटरी ने इसका संचालन किया। संगठन के प्रदेश प्रभारी पप्पू प्रधान भी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं, उनके संभावित समाधानों और संगठन के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रदेश प्रभारी पप्पू प्रधान ने इस दौरान कहा कि किसान एकता महासंघ किसानों के हितों की रक्षा के लिए लगातार सक्रिय है। उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक

मजबूत करने की बात कही।बैठक में सर्वसम्मति से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके तहत, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसान एकता महासंघ दनकौर कस्बे में एक पैदल तिरंगा यात्रा निकालेगा। यह यात्रा सुबह 11 बजे झाझर अड्डे से शुरू होगी। यह टीन का बाजार, दीनदयाल चौराहा और थाना रोड से होते हुए सलारपुर अंडरपास स्थित तिरंगा चौक पर समाप्त होगी। तिरंगा चौक पर ध्वजारोहण के साथ यात्रा का समापन किया जाएगा। इस बैठक में चौधरी बाली सिंह, रमेश कसाना, पप्पू प्रधान, राजेंद्र चौहान, राजवीर ठेकेदार, मास्टर इंद्रपाल सिंह, बलजीत हवलदार, चंद्रपाल सिंह, कर्मवीर भाटी, रज्जाक ठेकेदार, अमित नागर, रवि नागर, अरविंद सेक्रेटरी, हरीश मलिक, गजराज कसाना, संजय कसाना और सोनू कसाना सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1997 में 'बॉर्डर' नहीं देख पाया था 'बॉर्डर 2' का ये स्टार, आर्थिक तंगी बनीं बेड़ियां, परिवार के हालातों पर छलका दर्द

सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी स्टारर 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। गणतंत्र दिवस से ठीक पहले रिलीज हुई इस फिल्म के साथ सनी देओल ने एक बार फिर दर्शकों में देश प्रेम का जोश भर दिया है। 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ भी अपने अभिनय से दर्शकों के दिल जीत रहे हैं। उनके अभिनय को दर्शकों से खूब वाहवाही मिल रही है। दर्शकों का कहना है कि दिलजीत सिर्फ कॉमिक टाइमिंग में ही नहीं, संवेदनशीलता में भी माहिर हैं। आज दिलजीत दोसांझ 'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय के लिए वाहवाही लूट रहे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं एक समय था जब दिलजीत के पास 1997 में रिलीज हुई सनी देओल स्टारर 'बॉर्डर' देखने के लिए पैसे नहीं थे।

दिलजीत दोसांझ अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बात करने से कभी नहीं हिचकिचाते। वह कई बार अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बात कर चुके हैं। हाल ही में दिलजीत सोशल मीडिया पर अपने फैंस से रुबरु हुए, जहां उन्होंने अपने बचन से जुड़ा एक किस्सा साझा किया। सिंगर ने बॉर्डर की रिलीज के दिनों को याद करते हुए कहा, ''मुझे याद है जब 'बॉर्डर' फिल्म आई थी, तो मेरे आस-पास के बहुत से लोग इसे देखने जा रहे थे, मेरा भी मन था लेकिन मैं नहीं जा सका क्योंकि मेरे पास टिकट खरीदने के पैसे नहीं थे। लेकिन, मुझे उम्मीद थी कि एक दिन मुझे फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा।'' इसी दौरान दिलजीत ने अपने फैंस से बॉर्डर 2 में अपने किरदार के बारे में भी बात की। पंजाबी सुपरस्टार ने फिल्म में फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभाया है। इस किरदार के बारे में बात करते हुए दिलजीत ने कहा, ''निर्मल जीत सिंह सेखों जी का किरदार, कितना शानदार किरदार है! हो सकता है आपने उनके बारे में कभी नहीं पढ़ा हो, मगर कुछ लोग उनके बारे में जानते होंगे। अब सबको निश्चित रूप से उनके जीवन को पढ़ना और समझना चाहिए।'' फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो 'बॉर्डर' ने पहले दिन के कलेक्शन के मामले में रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' को पीछे छोड़ दिया है।

पठान के 3 सालः दीपिका पादुकोण का आइकॉनिक और फायर 'बेशरम रंग' आज भी सबसे हॉट ट्रैक बना हुआ है!

साल 2023 में रिलीज हुआ पठान का गाना 'बेशरम रंग', जिसमें दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान नजर आए, रिलीज के साथ ही एक सनसनी बन गया–और तीन साल बाद भी इसकी चमक जरा भी फीकी नहीं पड़ी है. बहुत कम गाने ऐसे होते हैं जो रिलीज के समय चार्ट्स पर छा जाएं और सालों तक अपनी पकड़ बनाए रखें. उस साल की सबसे बड़ी फिल्म बनने वाली पठान के एल्बम का पहला सिंगल, यशराज फिल्म्स म्यूजिक के तहत रिलीज हुआ 'बेशरम रंग', दर्शकों के सामने दीपिका पादुकोण को उनके सबसे ग्लैमरस अवतार में लेकर आया–एक ऐसी दीवा, जिसने स्क्रीन पर आग लगा दी और बीते दो दशकों के सबसे आइकॉनिक ट्रैक्स की क्वीन के रूप में अपनी बादशाहत एक बार फिर साबित की.

एनर्जेटिक और कैची म्यूजिक, लाजवाब लोकेशन्स पर फिल्माए गए शानदार विजुअल्स और शाहरुख खानझदीपिका पादुकोण की जबरदस्त केमिस्ट्री–इन सबने मिलकर स्टाइल, स्केल और स्टार पावर का परफेक्ट मेल रचा. यही वजह है कि ये गाना देखते ही देखते पार्टी एंथम बन गया और एक ऐसा पॉप-कल्चर मोमेंट बना, जो समय के साथ भी फीका नहीं पड़ा.पठान के 3 साल पूरे होने पर ये कहना गलत नहीं होगा कि 'बेशरम रंग' में दीपिका पादुकोण अपने सबसे हॉट अवतार में नजर आईं. समुद्र किनारे फिल्माए गए उनके दमदार लुक्स आत्मविश्वास, ताकत और एक सहज रॉयल ऑरा बिखेरते हैं. गाने को और ऊंचाई दी उनके बोल्ड लेकिन बेहद खूबसूरत डांस मूव्स ने, जिन्हें कोरियोग्राफ किया वैभवी मर्चेंट ने. स्पेन के मल्लोर्का, कादिज और जेरेज जैसी शानदार लोकेशन्स पर शूट हुआ हर फ्रेम एक विजुअल ट्रीट बन गया. बॉलीवुड की क्वीन दीपिका पादुकोण और किंग शाहरुख खान को एक साथ देखना किसी सिनेमाई जादू से कम नहीं था. उनकी चिंगारी भरी केमिस्ट्री, डायनामिक कोरियोग्राफी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ने बेशरम रंग को एक ना भूल पाने वाला विजुअल और म्यूजिकल एक्सपीरियंस बना दिया–जो तीन साल बाद भी प्लेलिस्ट्स पर छाया हुआ है. इस गाने को संगीत दिया मशहूर जोड़ी विशालझशेखर ने, गीत लिखे कुमार ने, और आवाज दी शिल्पा राव और कारालिसा मोंटेइरो ने. साथ ही बैकिंग वोकल्स में विशाल ददलानी और शेखर रावजियानी भी शामिल रहे.

आलिया भट्ट ने किया बॉर्डर 2 का रिव्यू, वरुण धवन की एक्टिंग देख बोलीं- वही कर रहा है...

निर्देशक अनुराग सिंह की फिल्म बॉर्डर 2 इन दिनों मनोरंजन जगत से अधिकतर सुर्खियां बटोर रही है। सनी देओल स्टारर इस वॉर ड्रामा मूवी को ऑडियंस और क्रिटिक्स की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। इतना ही नहीं तमाम सेलेब्स इस मूवी की तारीफ कर रहे हैं। इस कड़ी में अब नया नाम बी टाउन एक्ट्रेस आलिया भट्ट का शामिल हो रहा है, जिन्होंने बॉर्डर 2 का रिव्यू किया है। इसके साथ ही आलिया ने अपने दोस्त और बॉर्डर 2 एक्टर वरुण धवन की एक्टिंग देखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। आइए एक नजर आलिया के सोशल मीडिया पोस्ट पर डालते हैं- निर्देशक अनुराग सिंह की बॉर्डर 2 को लेकर आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी में एक लंबा चौड़ा नोट शेयर किया है। कितनी खूबसूरत फिल्म है। कास्ट ने क्या शानदार परफॉर्मेंस दी है। मेरे प्रिय दोस्त वरुण ने तो कमाल कर दिया है। वह वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं। हर एक फ्रेम में अपना दिल और आत्मा लगा देते हैं। तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं। नए साल की कितनी जबरदस्त शुरूआत। पूरी टीम को बधाई मेरी तरफ से बधाई।

इस तरह से आलिया भट्ट ने फिल्म बॉर्डर और वरुण धवन को लेकर अपनी राय व्यक्त की है। इस बात में कोई दोहराए नहीं है कि इस मूवी में अपने दमदार अभिनय से वरुण ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना के मेजर होशियार सिंह दहिया के किरदार में उन्होंने अपनी कमाल की एक्टिंग से जान फूंक दी है। गौर किया जाए आलिया भट्ट की अपकमिंग मूवीज की तरफ तो उनमें अल्फा और लव एंड वॉर का नाम शामिल है। आलिया की अगली फिल्म स्पाई थ्रिलर अल्फा होगी, जिसे इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा, जबकि निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ आने वाली लव एंड वॉर की रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विजय की हार से टूटे फैंस, एक्टर के सपोर्ट में खोलकर रख दिए दिल, पर हुई रिएक्शन की बारिश..

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन को लेकर कानूनी पेंच और गहराता जा रहा है। फिल्म के मेकर्स ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) द्वारा सेंसर सर्टिफिकेट जारी करने से इनकार किए जाने के बाद मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया था। इस मामले में हाई कोर्ट ने 20 जनवरी को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे अब सुना दिया गया है। कोर्ट के ताजा आदेश के बाद फिल्म की रिलीज डेट को लेकर एक बार फिर सस्पेंस बन गया है। मद्रास हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें CBFC को फिल्म जन नायकन के लिए सेंसर सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि सिंगल-जज ने फिल्म के कंटेंट से जुड़ी शिकायतों के गुण-दोष पर विचार करके गलती की थी। इसी आधार पर डिवीजन बेंच ने CBFC की अपील स्वीकार कर ली और मामला दोबारा विचार के लिए सिंगल-जज के पास भेज दिया। जन नायकन को थलापति विजय की आखिरी फिल्म माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद वह पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो गए हैं। फिल्म को पहले 9 जनवरी 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन CBFC से क्लीयरेंस न मिलने के चलते रिलीज टाल दी गई।

मुंबई-नवी मुंबई एयरपोर्ट के बीच सफर होगा आसान!

22,000 करोड़ की 'मेट्रो लाइन 8' को फडणवीस सरकार ने दी मंजूरी...

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति ने 22,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली मुंबई मेट्रो लाइन 8 परियोजना को आधिकारिक मंजूरी प्रदान कर दी है। यह 33 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधा जोड़ेगी।

दो एयरपोर्ट्स के बीच खत्म होगी दूरी

मुंबई और नवी मुंबई के बीच हवाई यात्रियों के लिए यह किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA), जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अक्टूबर को किया था और जहां 25 दिसंबर से वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो चुका है, अब इस मेट्रो लाइन के जरिए सीधे मुंबई एयरपोर्ट से जुड़ जाएगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य दो प्रमुख विमानन केंद्रों के बीच यात्रा के समय को काफी कम करना है।

प्रोजेक्ट की लागत और भूमि अधिग्रहण का लक्ष्य

यह महत्वाकांक्षी परियोजना 22,000 करोड़ रुपए (कुछ रिपोर्टों के अनुसार 20,000 करोड़ रुपए से अधिक) की अनुमानित लागत से तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि इस मेट्रो कॉरिडोर के लिए आवश्यक 30.7 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण अगले छह महीनों के भीतर पूरा कर लिया जाए। भूमि अधिग्रहण के लिए लगभग 388 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि इस पूरे प्रोजेक्ट को अगले तीन वर्षों के भीतर पूरा कर लिया जाए, ताकि यात्री जल्द से जल्द इसका लाभ उठा सकें।

नवी मुंबई के ये क्षेत्र होंगे कवर

मेट्रो लाइन 8 केवल एयरपोर्ट्स को ही नहीं जोड़ेगी, बल्कि नवी मुंबई के कई प्रमुख इलाकों को भी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। रिपोर्टों के अनुसार, नवी मुंबई में इस लाइन के तहत 11 स्टेशन होने की संभावना है, जिनमें वाशी, सानपाड़ा, जुईनगर, नेरुल सेक्टर-1, नेरुल, सीवुड्स, बेलापुर, सागर संगम, तरघर/मोहा, एनएमआईए वेस्ट और हवाई अड्डे के अंदर स्थित एनएमआईए टर्मिनल-2 शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि परियोजना शुरू होने से पहले सभी आवश्यक सरकारी अनुमतियां प्राप्त कर ली जाएं।

धाराशिव : आबकारी विभाग के उप निरीक्षक की दिल का दौरा पड़ने से मौत

धाराशिव : धाराशिव ज़िले में गणतंत्र दिवस पर हुए एक सरकारी कार्यक्रम में दुखद घटना हो गई, जब एक्साइज डिपार्टमेंट के एक सब-इंस्पेक्टर की हार्ट अटैक से मौत हो गई।यह घटना ओमरगा तहसील के तलमोड बॉर्डर पोस्ट पर हुई। अधिकारियों के अनुसार, झंडा फहराने की सेरेमनी खत्म होने के बाद, एक्साइज सब-इंस्पेक्टर मोहन जाधव (56) अपने साथियों के साथ ग्रुप फोटो खिंचवा रहे थे, तभी अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और वे गिर पड़े। उनके साथी तुरंत उन्हें ओमरगा के सिविल अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मुंबई : महिला का वीडियो बनाकर एडल्ट साइट्स पर डालने का आरोप, कपल समेत 8 पर FIR...

मुंबई : मुंबई पुलिस ने सोनिया गुप्ता नाम की एक महिला, उसके पति सोनू गुप्ता और छह दूसरे लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। इन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने एक 29 साल की महिला को दबाव में लेकर उसका वीडियो बनाया और उस फुटेज को एडल्ट वेबसाइट पर शेयर कर दिया। पीड़िता ने समता नगर पुलिस स्टेशन में इस भयानक घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। यह घटना अगस्त 2025 में कई दिनों तक चली। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने जबरदस्ती उसके अश्लील वीडियो रिकॉर्ड किए और बाद में उसकी मजी के बिना उन्हें अलग-अलग पोर्नोग्राफिक प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया।

पीड़िता के बयान के बाद, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के तहत FIR दर्ज की। इन आरोपों में गंभीर यौन हमला, घूरना, क्रिमिनल साज़िश और इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री भेजना शामिल है। लगाई गई धाराओं की गंभीरता आरोपों की गंभीरता और पीड़िता को हुई निजी परेशानी को दिखाती है। अभी बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है क्योंकि सभी आठ आरोपी कथित तौर पर फरार हैं। उनका पता लगाने के लिए कई पुलिस टीमों को लगाया गया है, जबकि डिजिटल फोरेंसिक एक्सपर्ट अपलोड किए गए कंटेंट के ऑनलाइन फुटप्रिंट्स का पता लगाने का काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने वेब होस्टिंग प्लेटफॉर्म से संपर्क करने का प्रोसेस भी शुरू कर दिया है ताकि आगे और लोगों को परेशान होने से बचाने के लिए अश्लील वीडियो को तुरंत हटाया जा सके।

यह घटना प्रॉस्टिट्यूशन और 'मन ट्रैफिकिंग के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है, ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के एंटी-'मन ट्रैफिकिंग सेल ने क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया था, जिस पर महिलाओं को प्रॉस्टिट्यूशन में धकेलने और पैसे के फायदे के लिए उनका शोषण करने का आरोप है। रेड के दौरान, पुलिस ने दो महिलाओं को बचाया और तीन लोगों के खिलाफ इम्मोरल ट्रैफिक (प्रिवेंशन) एक्ट के तहत केस दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुंबई के सांताक्रूज ईस्ट की रहने वाली मुशरत अंसार मिर्जा (40) के रूप में हुई है। टिप-ऑफ से रेड हुई , पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, AHTC को 20 जनवरी को खास जानकारी मिली थी कि भिवंडी तालुका के गोवे नाका में मौजूद होटल संदीप वेजेस से प्रॉस्टिट्यूशन रैकेट चलाया जा रहा है।

मुंबई : युवक की बेरहमी से हत्या, 20 से ज्यादा बार गोदा शरीर

मुंबई : एक हैरान करने वाला मामला सामने आ रहा है. शहर के भांडुप इलाके में शंकर प्रसाद उर्फ कली नामक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई है. सामने आई जानकारी के अनुसार हमलावरों ने युवक पर 22 बार वार किए, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया. वारदात के तुरंत बाद शंकर प्रसाद को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. शुरूआती जानकारी के अनुसार, इस हमले के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका जताई जा रही है. पुलिस ने मामला दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है. इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है.

पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है. शंकर प्रसाद की आयु 32 वर्ष थी. मृतक का पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है. पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है. उन्हें पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास और विभिन्न इलाकों में 8 टीमें तैनात की गई हैं और तलाशी अभियान जारी है.

प्रोफेसर की चाकू से गोदकर हत्या

हाल ही में मुंबई में एक प्रोफेसर की लोकल ट्रेन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी. घटना मुंबई के मलाड स्टेशन की थी. मृतक की पहचान आलोक सिंह के रूप में हुई थी. पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला था कि ये घटना ट्रेन से उतरने के दौरान हुई. बताया जा रहा है कि आलोक सिंह की कुछ लोगों से ट्रेन से उतरते समय मामूली सी बात पर कहासुनी हो गई थी. आरोपी भी ट्रेन में उनके साथ ही सफर कर रहे थे. इसके बाद आलोक सिंह की हत्या कर दी गई.

मुंबई में फिर बदला मौसम का मिजाज... जनवरी की दूसरी बार बेमौसम बरसात

मुंबई : मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में मंगलवार सुबह एक बार फिर बेमौसम बारिश देखने को मिली। जनवरी महीने में यह दूसरी बार है जब शहर को बारिश का सामना करना पड़ा। इससे पहले एक जनवरी को मुंबई में भारी बारिश दर्ज की गई थी, जबकि मंगलवार को अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बूंदाबांदी ही देखने को मिली। सुबह से ही शहर के आसमान में बादल छाए रहे और कुछ ही देर में कई इलाकों में हल्की बारिश शुरू हो गई। मुंबई के अधिकांश उपनगरों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि पूर्वी उपनगरों के कुछ हिस्सों विशेष रूप से घाटकोपर से भांडुप के बीच थोड़ी अधिक बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण सुबह

के समय सड़कों पर हल्की फिसलन भी देखने को मिली, हालांकि यातायात पर इसका कोई बड़ा असर नहीं पड़ा।

IMD ने जारी की चेतावनी

BMC अधिकारी ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने सुबह सात बजे चेतावनी जारी की थी, जिसमें मुंबई और पड़ोसी ठाणे जिले में हल्की बारिश की संभावना जताई गई थी। इसके साथ ही मौसम विभाग ने तीन घंटे के लिए 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए नागरिकों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसारपश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर से आ रही नमी के कारण जनवरी जैसे सर्द और शुष्क महीने में भी बारिश हो रही है। आम तौर पर इस समय मुंबई में मौसम शुष्क रहता है, लेकिन बदलते मौसम पैटर्न के चलते बेमौसम बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। बारिश से तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिससे सुबह और शाम के समय ठंडक बढ़ गई। कई इलाकों में लोगों को हल्की सर्दी का एहसास हुआ। वहीं, किसानों और बागवानों के लिए यह बारिश कुछ हद तक फायदेमंद मानी जा रही है, जबकि शहरवासियों के लिए यह मौसम में अचानक आए बदलाव का संकेत है।

कराड के पास 55 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त, संदिग्ध हिरासत में...

कराड : कराड तालुका के पचुपतेवाड़ी गांव में एक पोल्ट्री शेड तैयार किया जा रहा है। ड्रग्स पुणे डिवीजन के डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने शनिवार शाम को एक (ड्रग्स) बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा। 55 करोड़ रुपये की MD ड्रग्स जब्त की गईं। कराड तालुका के पहाड़ी इलाके में और कराड ग्रामीण पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले पचुपतेवाड़ी गांव में MD ड्रग्स बनाने वाली एक फैक्ट्री चल रही थी। ड्रग्स फैक्ट्री... गांव से कुछ दूरी पर एक खुले पोल्ट्री शेड में ड्रग्स बनाई जा रही थीं। DIR की एक टीम ने शनिवार शाम को शेड पर छापा मारा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com